



**जनपद साधारण सभा
की बैठक 21 फरवरी को**
नीमच 18 फरवरी (निप)।

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5

लाख
रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगे –

- ▶ जनरल मेडिसीन
- ▶ बाल चिकित्सा प्रबंधन
- ▶ नवजात गहन शिशु इकाई
- ▶ आपातकालीन चिकित्सा
- ▶ जनरल सर्जरी
- ▶ बर्न प्रबंधन
- ▶ प्रसूति एवं स्त्री रोग
- ▶ अस्थि एवं हड्डी रोग
- ▶ गंभीर चोटें
- ▶ संक्रामक रोग

GMH

...where healing begins

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमब ९6262778282

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी



दशातां है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक चर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है। ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एम्पी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामले न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुःखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर

बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके। दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पाषंडों के संदर्भ में एडीआर और ह्यदिल्ली इलेक्शन वाचक ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पाषंड ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पाषंड गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विशेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति। चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चर्चाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-ह्यापराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेनाह्-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली

लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालाँकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जांच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं अपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मानक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है। इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ा संकट है। आदर्श लोकतंत्र एक समाज व्यवस्था का निर्मित करने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर है, जिनका चरित्र एवं साख मजबूत होना जरूरी है। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत काल तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

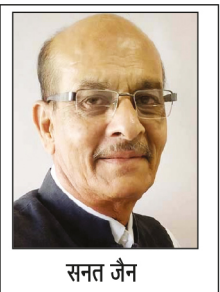
महाजाम की जटिल व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी करोड़ों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। 144 साल बाद पड़ रहे इस महाकुंभ में आने के रास्तों में महाजाम लग गया है। तीन सौ किमी. लंबे जाम को दुनिया का सबसे बड़ा जाम बताया जा रहा है। यह विशेष पर्व ज्यों-ज्यों अपने आखिरी पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है, श्रद्धालुओं में इसका आकर्षण बढ़ता जा रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के मार्ग पर दस किमी. लंबा जाम है। रीवा-चित्रकूट से आने वाले मार्ग पर तकरीबन सत्रह किमी. तो भदोही से प्रयागराज पहुंचने वाले रास्ते पर पंद्रह किमी. और मिर्जापुर से आने वाले मार्ग पर बारह किमी. का महाजाम लगा है। जिला व पुलिस प्रशासन के सारे दावों की ध्वजियां उड़ाने वाले इस जाम में फंसे प्यासे-भूखे और परेशान लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। बिखलते नन्हे बच्चों और बीमार-बुजुर्गों के परिवार रंगते वाहनों में ट्रैफिक अरेस्ट से जूझने को मजबूर हैं। फ्रांस में भारी बर्फबारी के चलते 1980 में 175 किमी. लंबे जाम को सबसे बड़े जाम के रूप में याद किया जाता है। 2010 में बीजिंगझटित्वत हाईवे पर लगे सौ किमी. के जाम से निकलने में दस दिन लग गए थे। मगर यह न तो प्राकृतिक आपदा है, न ही अचानक लगा जाम है। सरकारी दावों और व्यवस्था को लेकर तमाम प्रचार के खोखलेपन का उपहास बन रहा है। भगदड़, ओर बार-बार आग लगने के पीछे लापरवाही छिपी नहीं है। लखनऊ, सुलतानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, आजमगढ़ से अयोध्या की तरफ जाने वाली सड़कों पर भी यातायात बुरी तरह प्रभावित है। प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन कोआवागमन के लिए बंद करने के आदेश को अफरातफरी के बाद इसे अफवाह उठरा कर लीपापोती की गई। जाहिर है, इससे यात्रियों को भारी असुविधा होती है। स्थानीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों पर बात नहीं हो रही है जबकि उनकी दिनचर्या भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, उन्हें घरबंदी में जीना पड़ रहा है। शहर और सड़कों की क्षमता का अनुमान लगाए वीर भव्य आगोजन और करोड़ों की धन राशि उड़ाने का उद्देश्यहीन योजना की जितनी निंदा की जाए कम है। श्रद्धालुओं को हो रही दिक्कतों को बरगलाने और छद्म प्रचार से महाकुंभ के साथ महाजाम के संगम को झुठलाने से हकीकत को बदला नहीं जा सकता।

चिंतन-मनन

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमकमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्त्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहाँ वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पाषर्द बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है। जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकर्षण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐवरे से पूर्ण है। कठोपनिषद् में भी इसकी पुष्टि की गई है कि दिव्य जगत में सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश या तारामण की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि समस्त आध्यात्मिक आकाश भगवान की आन्तरिक शक्ति से प्रकाशमान है। उस परम धाम तक केवल शरणागति से ही पहुंचा जा सकता है, अन्य किसी साधन से नहीं।



सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्त देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थीं, इस कानून से यह सदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्त नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार के देशों में बनी हुई थीं। लूके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह सदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्त देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्त देकर सामान खरीदने-बेचने के कटिक्ट हासिल कर सकती हैं।



अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामले दर्ज हैं। 21 नवंबर 2024 तक अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हो चुका है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से

बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनयिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रूप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे

नक्सलवाद : निर्णायक लड़ाई में आगे बढ़सुता देश

बनी हुई है। उधर, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी दो टूक कह दिया है कि या तो नक्सली समाज से जुड़ जाए या खाम्बे के लिए तैयार रहें। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केन्द्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उपद्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। जिस तरह से नरेन्द्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंसा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका है, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना

मुश्किल होता है, लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तत्करी विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद काग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने काग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। काग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध 'सलवा जुद्ध' को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुतुं विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से टन गई। इस हमले में कर्मा के साथ पूर्व केन्द्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, काग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे, लेकिन काग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में काग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।



दरअसल, देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही उद्घाटन संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्टघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की। माओवादियों के खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है, लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगाता दिखाई दे रहा है।



तंडेल में नागा चैतन्य का अभिनय देख भावुक हुए नागार्जुन

नागा चैतन्य और साई पल्लवी अभिनीत बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म तंडेल आखिरकार 7 फरवरी को बड़े पर्दे पर आ गई, दर्शकों का प्यार भी मिला। चंद मोडेती द्वारा लिखित और निर्देशित और देवी श्री प्रसाद द्वारा एक भावपूर्ण साउंडट्रैक के साथ फिल्म ने पहले ही अपनी भावनात्मक रूप से भरी कहानी और मनोरंजक प्रदर्शनों से दर्शकों का दिल जीत लिया है।

बेटे चैतन्य पर हुआ गर्व

फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के बीच अब नागा चैतन्य के पिता और सुपरस्टार नागार्जुन ने अपने बेटे पर बहुत गर्व महसूस किया और अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया पर व्यक्त किया। एक्स पर एक भावपूर्ण नोट साझा करते हुए नागार्जुन ने तंडेल के आधिकारिक पोस्टर के साथ नागा चैतन्य को गले लगाते हुए अपनी एक मार्मिक तस्वीर पोस्ट की। हालांकि, उनके पोस्ट ने फैंस को भी भावुक कर दिया।

नागार्जुन का पोस्ट

पोस्ट साझा करते हुए नागार्जुन ने लिखा, प्रिय नागा चैतन्य, मुझे तुम पर गर्व है बेटा। मैंने तुम्हें सीमाओं को लांघते, चुनौतियों का सामना करते और इस कला को अपना दिल देने देखा है। तंडेल सिर्फ एक और फिल्म नहीं है - यह तुम्हारे अथक जुनून, बड़े सपने देखने की हिम्मत और तुम्हारी कड़ी मेहनत का सबूत है।

फैंस का भी जताया आभार

नागार्जुन ने चैतन्य के फैंस का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे लिखा, आप हमारे साथ परिवार की तरह खड़े रहे हैं और तंडेल की सफलता उतनी ही आपकी है जितनी हमारी। आपके अंतहीन प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। आभार।

फिल्म की टीम की भी की तारीफ

नागार्जुन ने पूरी तंडेल टीम की भी सराहना की और कहा, अल्लू अरविंद गारु और बनी वासु को बहुत-बहुत धन्यवाद। अद्भुत प्रतिभाशाली साई पल्लवी को बधाई- आप हमेशा चौका देती हैं। प्रतिभाशाली देवी श्री प्रसाद, आप कमाल हैं। उभरते हुए सितारे निर्देशक चंद मोडेती और शानदार तंडेल की टीम को इस पल को अविस्मरणीय बनाने के लिए धन्यवाद।



‘भाग्य लक्ष्मी’ में ‘मलिष्का’ की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं मेघा प्रसाद

जी टीवी पर प्रसारित शो ‘भाग्य लक्ष्मी’ में खलनायिका ‘मलिष्का’ की भूमिका निभाने वाली मायरा मिश्रा शो को अलविदा कह चुकी हैं। शो में अब अपने अभिनय से मेघा प्रसाद कहानी में नए-नए मोड़, रोमांच लाने के लिए तैयार हैं। शो में मलिष्का की भूमिका को लेकर अभिनेत्री काफी खुश और उत्साहित हैं। मेघा ने कहा, यह मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। मैं कोलकाता में पली-बढ़ी हूँ और मैंने बालाजी के शो देखे हैं। मैं हमेशा सोचती थी कि कभी ना कभी इसका हिस्सा बनूंगी। अब, उस सपने को सच होता देखना काफी खूबसूरत लग रहा है। एक लोकप्रिय शो में कदम रखना आपको बड़ी जिम्मेदारी देता है, लेकिन मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और शो में काम करने के लिए रोमांचित हूँ। उन्होंने मायरा मिश्रा की तारीफ करते हुए कहा, मायरा ने मलिष्का को आकार देने में शानदार काम किया है। यह किरदार भले ही मेरे लिए नया है, लेकिन मैं इसकी आत्मा को बरकरार रखते हुए अपने अंदाज में पेश करने का वादा करती हूँ। शो के हर एक कलाकार ने गर्मजोशी के साथ काम किया है और टीम मुझे ‘मलिष्का’ की भूमिका को समझने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हम दर्शकों के

लिए एक नए चेहरे के साथ सहज बदलाव के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक मेरा उसी प्यार और गर्मजोशी से स्वागत करेंगे, जैसा उन्होंने हमेशा शो और उसके किरदारों का किया है। इससे पहले शो में मुख्य भूमिका लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में शामिल होने के लिए मेघा प्रसाद को बधाई दी थी। ऐश्वर्या खरे ने शो में नए सदस्य के स्वागत के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मेघा प्रसाद की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, भाग्य लक्ष्मी की मलिष्का आपका स्वागत है। मैं शो में आपको देखने के लिए उत्सुक हूँ। भाग्य लक्ष्मी का निर्माण एकता कपूर और शोभा कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया गया है। शो में ऐश्वर्या खरे और रोहित सुवांती मुख्य भूमिका में हैं। मेघा के करियर की बात करें तो वह ‘तेरे इश्क में घायल’ (2023), ‘गंदी बात’ (2018) और ‘परिणीति’ (2022) के साथ ‘अशोका’, ‘उड़ान’ और ‘महाराज की जय हो’ में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने एमटीवी के शो ‘लव ऑन द रन’, ‘फियर फाइल्स’ और ‘ट्रोल’ में नेगेटिव रोल प्ले किया था। अभिनेत्री शो ‘इश्कबाज’ के साथ ही म्यूजिक वीडियो ‘रोना सिखा दे वे’ और अध्ययन सुमन के साथ म्यूजिक वीडियो ‘सोनियो 2.0’ में भी काम कर चुकी हैं।



बच्चों में अपनी आदतों के न होने पर बोले शाहरुख खान

शाहरुख खान बॉलीवुड के अलावा अपने फैंस के लिए एक मार्गदर्शक की तरह भी हैं। हर कोई उनकी आदतों को अपनाना चाहता है, उनकी तरह बनना चाहता है। वहीं, शाहरुख खान इस बात से खुश हैं कि उनके बच्चों में उनकी आदतें नहीं गईं। इसके लिए वे भगवान का शुक्रिया भी अदा करते हैं।

भगवान को शुक्रिया कहते हैं शाहरुख

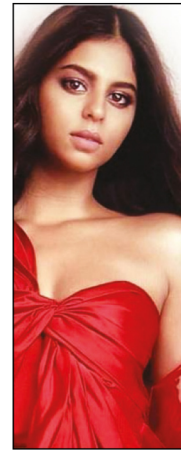
साल 2024 में एक इवेंट के दौरान शाहरुख खान ने कहा कि उनके किसी भी बच्चे में उनकी आदतें नहीं हैं, इस वजह से वे बहुत खुश हैं। पठान अभिनेता ने आगे कहा, मैं इसके लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूँ। वे अच्छे बच्चे हैं। वे मुझसे कहीं बेहतर इंसान हैं।

करियर को लेकर कोई दबाव नहीं

शाहरुख खान ने कहा कि उनके अबराम और सुहाना के गालों पर डिपल पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वही करें जिससे उन्हें खुशी मिले। वे जो चाहें बन सकते हैं। वह अपने बच्चों को अभिनेता या इंजीनियर बनने के लिए कभी नहीं कहते हैं।

किंग में नजर आएंगी सुहाना

आर्यन खान और सुहाना खान ने बॉलीवुड में ही आगे बढ़ने का फैसला लिया है। बात करें शाहरुख खान की तो वह सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म ‘किंग’ में अभिनय करते हुए दिखाई देंगे। इसी फिल्म में सुहाना खान ने भी अपने पापा के साथ काम करने का फैसला लिया है। इससे पहले सुहाना खान को द आर्चीज में देखा जा चुका है।



ओटीटी पर डेब्यू करेंगे आर्यन

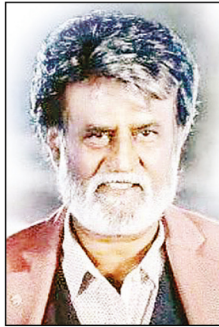
वहीं, आर्यन खान ओटीटी पर बतौर निर्देशक डेब्यू करने का मन बना चुके हैं। वे द बैडस ऑफ बॉलीवुड के साथ फिल्म उद्योग में कदम रखने जा रहे हैं। इस सीरीज का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया है।



सलमान खान और एटली की फिल्म ए6 का बजट होगा 500 करोड़, रजनीकांत और रश्मिका होंगे साथ!

सलमान खान जहां इन दिनों अपनी ईद रिलीज सिकंदर की तैयारियों में व्यस्त हैं, वहीं शाहरुख खान की जवान से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले सुपरस्टार डायरेक्टर एटली भी ए6 को लेकर कमर कस चुके हैं। एटली अपनी अगली फिल्म में सलमान खान को डायरेक्ट करेंगे। खबर है कि इसकी शूटिंग अगले साल 2026 की गर्मियों में शुरू हो जाएगी। एटली ने बीते दिनों बेबी जॉन के प्रमोशन के दौरान कहा था कि यह एक ऐसी फिल्म होगी, जिस पर इंडस्ट्री और सलमान के फैंस को गर्व होगा। अब खबर है कि इस फिल्म को भारी-भरकम 500 करोड़ के महाबजट में तैयार किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एटली ने अपनी छठी फिल्म के लिए 500 करोड़ रुपये का महाबजट बनाया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह फिल्म पर्दे पर एक अलग और अनोखी दुनिया लेकर आएगी। ए6 एक पौराणिक ड्रामा होगी, जिसकी कहानी में पुनर्जन्म वाला एलिमेंट भी होगा। एटली इसके लिए जि?स स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, वैसी कहानी भारतीय सिनेमा के पर्दे पर पहले कभी नहीं देखी गई है।

पहली बार साथ दिखेंगे सलमान -रजनीकांत



रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से यह भी कहा गया है कि एटली इस फिल्म के लिए रजनीकांत से बातचीत कर रहे हैं। यदि सब ठीक रहा तो यह पहली बार होगा जब पर्दे पर इस दौर के दो सबसे बड़े सुपरस्टार्स - सलमान खान और रजनीकांत एकसाथ नजर आएंगे। ऐसा होता है,

तो यकीनन यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्म बन जाएगी।

रश्मिका मंदाना को मिला है ऑफर



इससे पहले यह भी खबर आई थी कि एटली के ए6 में सलमान खान के अपोजिट फिर से रश्मिका मंदाना को कास्ट किया गया है। हालांकि, इसकी लेकर

एटली की ए6 के लिए वजन घटाएंगे सलमान

सलमान खान भी सिकंदर के बाद एटली की इस फिल्म की तैयारियों में जुट जाएंगे। इसके लिए वह अपना वजन कम करेंगे, क्योंकि ए6 के लिए उन्हें एक खास तरह की फिजिक की जरूरत है।



रिजल्ट नहीं मिल रहे तो भी फाइट करते रहना है एक्टर हर्षवर्धन राणे की सलाह

अगर कोई काम पूरी शिदत के साथ किया जाए तो उसका फल भी शानदार जरूर मिलता है। तुरंत न सही, तो देर से मिले, लेकिन मेहनत का फल सुंदर आता है। इसका एक उदाहरण तो फिल्म सनम तेरी कसम है। मूल रूप से यह फिल्म साल 2016 में रिलीज की गई थी। मगर, तब यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। और अब साल 2025 में इसे जब दोबारा रिलीज किया गया है तो यह कमाई के मामले में उदा प्रदर्शन कर रही है। इस पर एक्टर हर्षवर्धन राणे ने प्रतिक्रिया दी है।

लोगों को दी सलाह- काम करते रहो

इस फिल्म में लीड रोल अदा करने वाले एक्टर हर्षवर्धन राणे ने फिल्म की री-रिलीज पर बात की। उन्होंने दूसरी पारी में फिल्म के शानदार प्रदर्शन पर कहा कि सभी को मेहनत करते रहनी चाहिए। रिजल्ट न आए तो भी मेहनत करते रहना चाहिए। एक्टर ने कहा,

धुआंधार कमाई कर रही फिल्म

हर्षवर्धन ने आगे कहा, जिंदगी में कभी कुछ नया करने जाओ तो वह मुश्किल ही होता है। मैं 16 साल की उम्र में घर से भागा था, वह भी मेरे लिए मुश्किल अनुभव था। उस अनुभव को बता पाना मुश्किल है। एक्टर से जब पूछा गया कि यह फिल्म तब इतनी क्यों नहीं चली? इस पर कहा, इसकी कोई वजह तो नहीं मालूम। बता दें कि मूल रिलीज के वक्त सनम तेरी कसम ने सिर्फ 9 करोड़ रुपये की कमाई की थी और यह फ्लॉप साबित हुई थी। वहीं, 07 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म तीन दिनों में ही 15.50 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

हम सभी जितने भी एक्टर हैं, ऑफिस में काम करने वाले या घरों में काम करने वाले, सभी के लिए यह सीख है कि चाहें कितने भी साल निकल जाएं आपको फाइट करते रहना चाहिए। आपके साथ यही शेयर करना चाहता हूँ, रोज उठना है, काम पर जाना है और मेहनत करते रहना है।

रिजल्ट मिलने में समय लग सकता है, लेकिन मिलेगा जरूर

एक्टर ने आगे कहा, घर आने पर चेक करना है कि रिजल्ट मिला या नहीं मिला। अगर रिजल्ट नहीं मिला तो निराश नहीं होना है। रिजल्ट हफ्ते में नहीं मिलेगा, तो महीने में मिलेगा। छह महीने में मिलेगा। साल में मिलेगा। कई बार इस फिल्म की तरह कई साल भी लग सकते हैं, लेकिन आपकी मेहनत का रिजल्ट जरूर आएगा। इस फिल्म को अब जो रेस्पॉन्स मिल रहा है वह सभी मेहनत करने वालों को समर्पित है।

सैफ ने अपने काम को प्रायोरिटी दी

जयदीप अहलावत ने हाल ही में सैफ अली खान पर हमले में लगी चोट के बारे में बात की है। एक्टर ने सैफ के चोट लगने के बाद काम पर तुरंत वापस लौटने के बारे में भी बताया है। जयदीप अहलावत अपनी फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके अलावा सैफ अली खान भी नजर आएंगे। सैफ अली खान ने हाल ही में हमले के बाद पब्लिक अपीयरेंस दी। एक्टर मंगलवार को नेक्स्ट ऑन नेटपिलक्स इवेंट में अपनी नई फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स के टीजर लॉन्च इवेंट में नजर आए। इस दौरान उनके साथ उनके को-एक्टर जयदीप अहलावत भी शामिल हुए। इस दौरान बातचीत में जयदीप ने सैफ की तारीफ की। सैफ के जल्दी ठीक होने पर लोगों को हैरानी हुई, जिस पर बात करते हुए, एक्टर ने कहा- मुझे पता है कि उन्हें काफी चोट लगी थी। मैंने उनकी चोट के निशान और वो सारे गहरे घाव देखे हैं। ये अच्छी बात है कि उन्होंने इसे सही तरीके से लिया और काम पर वापस आ गए। उन्होंने अपने काम को प्रायोरिटी दी। उनके कुछ घाव काफी गहरे थे, लेकिन फिर भी वो काम पर वापस लौटे। तो लोगों को उनके जल्दी ठीक होने पर हैरानी होने लगी। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए।



कलेक्टर ने की जनसुनवाई – 82

आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच (निप्र)। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए- 82 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, एसडीएम श्री संजीव साहू, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, चंद्रसिंह धावें एवं श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में चीताखेड़ा के दिव्यांग अनिल दमाभी ने उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए, कि वे अनिल को पर्याप्त निःशुल्क उपचार सहायता उपलब्ध करवाएं। लुहारिया जाट के भेरूलाल



गुर्जर ने शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने अतिक्रामक के विरूद्ध कार्यवाही कर, अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश तहसीलदार सिंगौली को दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों

को दिए। जनसुनवाई में कनावटी के रामप्रसाद, अरनिया चंद्रावत के मोहन बंजारा, अमरपुरा के बगदीराम, जाट के अनिल सिंह, पालसा के कंचनबाई, धोकलखेड़ा के अंबालाल, विजयसिंह, नीमच सिटी की दुलीबाई मीणा, आंत्री बुजुर्ग के मदनलाल, नीमच के सुनील कुमार चौहान, जीरन के शांतिलाल पाटीदार, लासुर की सागरबाई, सावनकुंड के गोविंद बंजारा, पिपल्याघाटा के

मोहनलाल, बिहारगंज नीमच की आरती, बमोरी के शंकर पुरी, उगारन की कांताबाई, मोडी के हीरालाल गायरी, बिजलवास बार्मानिया के रामचंद्र रेगार, पिपल्याघाटा की ललितला, भोपालगंज के कारूलाल, धनेरिया रोड नीमच की निर्मला सोलंकी, बघाना के अयुब, अरनिया कुमार के रोहित मीणा आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

NCORD की जिला स्तरीय बैठक कंट्रोल रूम पर संपन्न

नशीली दवाओं के खतरे पर लगाम लगाने की रणनीति पर हुई चर्चा

नीमच 18 फरवरी (निप्र)। नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय के लिए सोमवार जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन (एनसीओआरडी) समिति की महत्वपूर्ण बैठक पुलिस कंट्रोल रूम नीमच में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हिमांशु चंद्रा ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने सचिव के रूप में बैठक का संचालन किया। बैठक में नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम, अवैध खेती की निगरानी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने, नशा मुक्ति केंद्रों के संचालन और नशा



प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यक्रम लागू करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का आदान-प्रदान और आसूचना तंत्र को मजबूत करना। जिले में अफीम, भांग आदि की अवैध खेती की निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाना। क्रॉस-स्टेट मामलों की जांच में तेजी लाने के लिए अंतरराज्यीय

समन्वय को बढ़ावा देना। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना। एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों और नशीली दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना। को नशीली दवाओं की खेती से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करना। मादक पदार्थों का पता लगाने

के लिए आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था करना। नशे के आदी लोगों को समाज में पुनर्स्थापित करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाना नशा प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां जागरूकता कार्यक्रम और शिविर आयोजित करना कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने कहा कि नशीली दवाओं का खतरा समाज के लिए गंभीर चुनौती है और इससे निपटने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने नशीली दवाओं के तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया।पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने कहा कि पुलिस नशीली दवाओं के तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने

आम लोगों से भी नशीली दवाओं से संबंधित जानकारी के बारे में पुलिस को सूचित करने की अपील की।बैठक में अपर कलेक्टर लक्ष्मी गामड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीक्षक बिपिन कुमार, जिला आबकारी अधिकारी बीएल सिंगाडा, जिला शिक्षा अधिकारी एसएम मांगरिया, डीडीए भगवान सिंह अर्गल, सीएमएचओ डी प्रसाद, उप वनमंडलाधिकारी दशरथ अखंड, सीजीएसपी अधीक्षक संदीप कुमार नामदेव, नशा मुक्ति केंद्र के मनोवैज्ञानिक जीवन तिवारी, ड्रग इंस्पेक्टर शोभित कुमार तिवारी, और नशा मुक्ति केंद्र के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनील कुमार तिवारी सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

आई.टी.आई.नीमच की टीम ने किया प्रायवेट आई.टी.आई.का निरीक्षण

नीमच 18 फरवरी 2025, कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार नोडल संस्था आईटीआई नीमच द्वारा निरीक्षण टीम का गठन कर नीमच जिले के प्रायवेट आईटीआई का निरीक्षण किया गया। आई.टी. आई.नीमच की प्राचार्य श्रीमती कमला चौहान ने बताया, कि ज्ञानोदय एक्सीलेंस प्रायवेट आईटीआई सुवाखेडा:- 10 फरवरी 2025 को निरीक्षण टीम द्वारा जिले की समस्त प्रायवेट आईटीआई का निरीक्षण किया गया । जिसमें सुवाखेडा स्थित ज्ञानोदय एक्सीलेंस प्रायवेट आईटीआई में टीम द्वारा निरीक्षण किया गया था। उस दौरान वह बंद पाई गई तथा बाद में दूरभाष द्वारा सम्पर्क करने पर संबंधित कर्मचारी वहाँ आए और उनके द्वारा भौतिक निरीक्षण करवाया गया उधमें भी कमीयां पाई गई निरीक्षण के दौरान पता चला कि वहाँ पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई की संयुक्त रुप से एक ही बिल्डिंग में थ्योरी एवं प्रैक्टिकल कक्षाओं का संचालन किया जाता है। संस्था में प्रवेशित 67 प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति शून्य थी तथा ट्रेनिंग के लिए औजार उपकरण में कमी पाई गई। संस्था में रहाने के लिए स्टाफ की कमी पाई गई। चूँकि संस्था में सिनियर एवं जूनियर (इलेक्ट्रीशियन) व्यवसाय संचालित है। संचालित ट्रेनिंग बेच के अनुसार स्टाफ नहीं पाया गया। जो कमीया है उसे पूरा करने के लिए निर्देशित

किया गया है।
ज्ञानोदय प्रायवेट आईटीआई कनावटी:- निरीक्षण 10 फरवरी 2025 निरीक्षण के दौरान आईटीआई चालू स्थिति में पाई गई। औजार उपकरण संस्था में संचालित पिटर, इलेक्ट्रीशियन दोनो ट्रेड में 100 प्रतिशत पाये गए। चूँकि वहा प्रशिक्षणार्थियों की पंजीकृत संख्या 85 है,जिसमें इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में मात्र 03 बच्चे एवं पिटर में मात्र 02 बच्चो की उपस्थिति पाई गई। संस्था में इंडी कक्ष नही है। थ्योरी कक्ष में भी कई जगह मरम्मत की आवश्यकता है। जो कमीया है उसे पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया है।
ज्ञानोदय प्रायवेट आईटीआई सांडिया मनासा:- निरीक्षण 11 फरवरी 2025 संस्था में साफ-सफाई ,क्लास रूम, लैब की उपस्थिति कैम्पस का आवरण अच्छा पाया गया। स्टाफ की उपलब्धता (शैक्षणिक/कार्यालयीन) प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति आवरण एवं अनुशासन प्रशिक्षण अधिकारियों एवं लिपिकीय स्टाफ द्वारा दस्तावेजो का संधारण का स्थिति ,बाथरूम (महिला/पुरुष) रैंप एवं पेय व्यवस्था एवं बिल्डिंग की स्थिति ,गृह कार्य,परिवहन की व्यवस्था औसत रेटिंग पाई गई,एवं उपस्थिति हेतु बायोमेट्रिक की सुविधा (स्टाफ/प्रशिक्षणार्थी) एवं उपस्थिति पंजी का संधारण नवाचार स्थिति निराशाजनक पाई गई। जो कमीया है

उसे पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
महाकाल प्रायवेट आईटीआई मनासा:-निरीक्षण 10 फरवरी 2025 संस्था के प्राचार्य द्वारा अगवत कराया गया है की सत्र 2024-25 में संस्था को अस्थायी रुप से बंद किया गया है। मनासा प्रायवेट आईटीआई मनासा:- निरीक्षण 10 फरवरी 2025 संस्था में भवन रिपेयरिंग का कार्य चल रहा है प्राचार्य के अनुसार संस्था एक माह से अस्थायी रुप से बंद है। वर्तमान में निरीक्षण योग्य नही पाई गई है।
विद्या प्रायवेट आईटीआई रतनगढ़:- निरीक्षण 13 फरवरी 2025 बिजली बिल आईटीआई के नाम की जगह संचालन समिति के नाम से है। नाम परिवर्तन हेतु निर्देशित किया गया है। संस्था में औजार उपकरण एवं मशीनरी की उपस्थता पूर्ण पाई गई प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया है तथा अन्य जो कमीया पाई गई है उसे पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।
आर.आर.एम.प्रायवेट आईटीआई भाटखेडा:- निरीक्षण 11 फरवरी 2025 को संस्था में स्टाफ की कमी पाई गई तथा औजार उपकरण एवं मशीनरी की स्थिति में कोई कमी नही पाई गई। तथा जो अन्य कमीया थी उन्हे पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त जानकारी आई.टी.आई प्राचार्य श्रीमती कमला चौहान द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पर फैसला समिट के बाद

मोदी भाजपा नेताओं के साथ बैठक में होंगे शामिल

भोपाल, एजेंसी। दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ करने आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश के भाजपा नेताओं की बैठक भी लेंगे। यह बैठक भाजपा कार्यालय में होगी या और कहीं अभी यह तय नहीं है। बैठक के लिए स्थान तय करने के लिए मंजूर किया जा रहा है। इस बैठक के बाद ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का निर्णय होगा। माना जा रहा है कि इसी बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम निकल सकता है। दरअसल प्रदेश में मंडल और जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा के बाद से ही प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया बंद पड़ी हुई है। फिलहाल भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के लिए आधा दर्जन नाम चर्चा में बने हुए हैं। इसमें मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का भी नाम शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी 23 फरवरी की शाम को भोपाल पहुंचेंगे। पर राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। इसकी वजह से माना जा रहा है कि विश्राम करने के सामने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वे भाजपा नेताओं की बैठक ले सकते हैं। फिलहाल भाजपा कार्यालय और कुशाभाऊ ठाकरे सभागार का प्रस्ताव पीएमओ भेजे गए हैं।

अब पीएमओ से अंतिम मंजूरी के बाद बैठक और स्थान तय हो जाएगा। इसके साथ ही पार्टी के लिए विधायकों और नेताओं को बैठक में बुलाया जाए, उनके नामों को भी एक -दो दिन में तय कर लिया जाएगा। इसके बाद यह सूची भी प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। दरअसल, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों में सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से लेकर पूरा प्रशासन और मंत्री विधायक, बीजेपी के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इस समिट के चलते बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव टल गया है। अब जीआईएस के बाद ही बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा यह तो तय है। मोदी भले ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन में आ रहे हों। लेकिन, राजनीतिक रूप से उनका दौरा अहम है। बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष का इसी महीने चयन होना है। आले महीने से निमाम, मंडल, आयोगों में

एमएसएमई, स्टार्टअप, एकीकृत टाउनशिप सहित 8 नीतियों को मिल सकती है मंजूरी

भोपाल । ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से पहले मध्य प्रदेश सरकार आठ और नीतियां लाने की तैयारी में है। इनमें एमएसएमई, स्टार्टअप, भूमि आवंटन नीतियों में संशोधन करना प्रस्तावित है, वहीं जैव ईंधन नीति को नवकरणीय ऊर्जा नीति में समाहित किया जा रहा है। एकीकृत टाउनशिप, स्वास्थ्य निवेश, ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) और उड़यन संबंधी नीतियां पहली बार लाई जा रही हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक इन नीतियों को स्वीकृति मिलने के संभावना है।

पीपीपी मोड पर बनाए जाएंगे जिला अस्पताल - स्वास्थ्य निवेश नीति के तहत पीपीपी मोड पर जिला अस्पताल विकसित किए जाएंगे। बड़े अस्पताल, शोध और विकास में निवेश पर शासकीय सहायता मिलेगी। इसके लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के निजी निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इनमें 75 प्रतिशत बिस्तरों का निवेशक स्वयं उपयोग कर सकेगा, वहीं 25 प्रतिशत बिस्तर मुफ्त में निर्धन वर्ग के उपचार के लिए आरक्षित रखे जाएंगे। इसके अलावा इस नीति में बेहतर

RSS को जानना है तो संघ के करीब आइए

इसमें पैसा नहीं लगता है - मोहन भागवत



कोलकाता 18 फरवरी (एजेंसी) । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को पश्चिम बंगाल में संघ के कार्यकर्ताओं से बात करते हुए हिंदू समाज की विविधता और “स्वभाव” पर जोर दिया और सभी से इस विविधता को स्वीकार करके आगे बढ़ने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में एक सार्वजनिक रेली को संबोधित करते हुए RSS प्रमुख ने कहा, “संघ क्या करना चाहता है? अगर इस सवाल का जवाब एक वाक्य में देना है, तो बता दू कि संघ पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है। हिंदू समाज को एकजुट क्यों करें ? क्योंकि हिंदू इस देश के समाज के लिए जिम्मेदार हैं।

जो भारत की प्रकृति के साथ नहीं रह सकते उन्होंने पाकिस्तान बना लिया - RSS चीफ मोहन भागवत ने कहा, RSS को जानना है तो संघ के करीब आइए, इसमें पैसा नहीं लगता है। दुनिया को आखिरकार एहसास हो गया है कि हिंदुओं ने हमेशा दुनिया की विविधता को स्वीकार किया है।’

मोहन भागवत ने कहा, “हर किसी की अपनी विशिष्ट विशेषज्ञता होती है, हिंदू जानते हैं कि सभी विशेषज्ञता सत्य का आविष्कार है और यह एक सत्य है। सृष्टि के चराचर जगत में, जड़ चेतन सब में वही एक है जो नहीं बदलता, जो पहले भी था, आज भी है, और कल भी रहेगा, वह शाश्वत है। बाकी सब कुछ बदलता रहता है,” उन्होंने कहा, “हिंदू जानते हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि विविधता से एकता आती हैइसलिए अपनी विशेषज्ञता पर श्रद्धा के साथ खड़े हों और सभी की विशेषज्ञता का सम्मान करें।

जाजु कन्या महाविद्यालय में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के वैज्ञानिकों के प्रथम दिवस एटोमिक ऊर्जा पर ज्ञानवर्धन



नीमच । श्री सीताराम जाजु शासकीय कन्या महाविद्यालय नीमच में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र मुम्बई के वैज्ञानिकों द्वारा एटोमिक ऊर्जा के सम्बन्ध में ज्ञान वर्द्धन एवं जीवन के अनेक क्षेत्रों में इसका उपयोग एवं शोध के सम्बन्ध में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिवस पर वैज्ञानिक डॉ. शिल्पा त्रिपाठी एवं वैज्ञानिक डॉ0 किरण कुमार गोरई द्वारा दो सत्रों में विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यशाला का प्रारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अतिथि वैज्ञानिकों के लिये स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन.के. डबकरा ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रगति में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई ने इस सिंक्रोट्रॉन के बारे में बताते

विद्यार्थी इस केन्द्र में वैज्ञानिक बनकर विज्ञान के क्षेत्र में अपने सपनों को साकार कर सकती है। कार्यशाला के प्रथम दिवस श्री किरण कुमार गोरई एवं डॉ. शिल्पा त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। श्री किरण कुमार ने अणु के बारे में समझाया, जिससे कि विद्यार्थी पूर्व कक्षाओं में पढ़े हुए अध्यायों को पुनः याद करते हुए नयी जानकारी से जुड़ सके। लाईट का उत्पादन होता है अणु की सहायता से और अगर अणु का इलेक्ट्रान प्रकाश की गति के लगभग गति से गतिमान हो तो उससे जो प्रकाश उत्पन्न होगा उसकी प्रकृति के बारे में चर्चा की गई। इस प्रकाश का उपयोग वर्तमान में भारत में इण्डस सिंक्रोट्रॉन में पदार्थों के अध्ययन में किया जाता है। श्री किरण कुमार ने इस सिंक्रोट्रॉन के बारे में बताते

हुए दृश्य माध्यम से सिंक्रोट्रॉन की कार्यप्रणाली समझायी। इसी को आगे बढ़ाते हुए डॉ. शिल्पा त्रिपाठी ने सिंक्रोट्रॉन विकिरण के विभिन्न उपयोगों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह इसका उपयोग विज्ञान के ही साथ-साथ पुरानी पेंटिंग, सिक्के आदि में किया जा सकता है। विज्ञान के अंतर्गत कैंसर पर शोध, चट्टानें, जानवर इत्यादि पर शोध में सिंक्रोट्रॉन विकिरण का उपयोग किया जाता है। दवाइयां के विस्तृत अध्ययन में इसका उपयोग किया जाता है। चंद्रयान, मंगलयान आदि के डिक्टेटर केलीब्रेशन में इसका उपयोग किया गया है। अन्त में कई छात्राओं ने प्रश्न पुछकर जिज्ञासाओं को शान्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ0 हिना हरित ने किया।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

~~रु 81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाएं और पाएं एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,

Lic रोड, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866